श्रीसोमनाथसंस्कृतयुनिवर्सिटी, वेरावलम्

सत्रान्तपरीक्षा – अक्तुबर-२०१९

कक्षा - शास्त्री -०३ सत्रम् - ५	**प्रश्नपत्रम्-३**	गुणा: - ७०
विषय: - हिन्दी	कोड - G.E.3.5.5. (OLD)	समय: - ०३:०० त: ०६:००
दिनाङ्क: - १४/१०/२०१९	सन्दर्भ ग्रन्थ: नहुष	

प्रश्न-१ " नहुष " खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १४

अथवा

" नहुष " काव्य का कथानक लिखते हुए उनकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न-२ मैथिलीशरण गुप्तजी का जीवन परिचय देते हुए उनके कृतित्व पर प्रकाश डालिए। १४

अथवा

राष्ट्रकवि के रूप में गुप्तजी का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न-३ " नहुष - एक सफल खण्ड काव्य है " समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

" नहुष " की तुलना मे शची का चरित्र बड़ा उज्जवल एवं प्रखर है " । सिद्ध कीजिए।

प्रश्न-४ " नहुष " काव्य मे निरुपित समस्याओं पर प्रकाश डालिए १४

अथवा

" नहुष " काव्य के आधार पर " नहुष " की चारित्रिक विशेषताएँ बताए

प्रश्न-५ बहु वैकल्पिक (प्रत्येक का ०१ गुण) १४

(१) " नहुष " का प्रमुख पुरुष पात्र कौन है ?

(A) इन्द्र (B) नहुष (C) कृष्ण (D) योगी

(२) " नहुष " काव्य का आधार स्त्रोत है -

(A) रामायण (B) महाभारत (C) गीता (D) पुराण

(३) " नहुष " काव्य की प्रमुख स्त्री पात्र का नाम है -

(A) शची (B) सीता (C) गीता (D) द्रोपदी

(४) " नहुष " मे कुल कितने खण्ड है ?

(A) सात (B) पांच (C) आंठ (D) नौ

(५) " नहुष " के प्रथम खंड का नाम क्या है ?

(A) नहुष (B) इंद्र (C) शची (D) पतन

(६) " नहुष " का काव्य प्रकार क्या है ?

(A) मुक्तककाव्य (B) महाकाव्य (C) नाट्यकाव्य (D) खण्डकाव्य

(७) " नहुष " की कथा का आधार महाभारत के कौन से पर्व से ले गया है ?

(A) आदिपर्व (B) उद्योगपर्व (C) युद्धपर्व (D) शांतिपर्व

(८) " नहुष " में देवराज का अर्थ है -

(A) राजा (B) गादीपति (C) इन्द्र (D) राम

(९) " नहुष " काव्य मे भारत के किस प्रदेश का वर्णन मिलता है ?

(A) हिमाचल प्रदेश (B) राजस्थान (C) गुजरात (D) अलमोड़ा

(१०) " नहुष " में पृथ्वी को किस से श्रेष्ठ बताया है ?

(A) आसमान से (B) जमीन से (C) नर्क से (D) स्वर्ग से

(११) " नहुष " काव्य में कौन भ्रष्ट हो जाते है ?

(A) नहुष (B) शची (C) इन्द्र (D) उर्विशा

(१२) " नहुष " काव्य के रचनाकार है -

(A) गुप्तजी (B) दिनकरजी (C) प्रसादजी (D) पंतजी

(१३) " नहुष " काव्य की शरुआत कौन से वर्णन से होती है -

(A) यद्ध वर्णन से (B) प्रकृति वर्णन से (C) प्रेम वर्णन से (D) विरह वर्णन से

(१४) " नहुष " के दूसरे सर्ग का नाम है -

(A) इन्द्र (B) नहुष (C) शची (D) उर्वशी